Toppersnotes®
Unleash the topper in you

DDA – Patwari

Preliminary

Delhi Development Authority (DDA)

भाग - 3

सामान्य हिंदी एवं अंग्रेजी

SIERRA INNOVATIONS

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
1	वर्ण विचार	1
2	संज्ञा	5
3	सर्वनाम	7
4	विशेषण	8
5	क्रिया	9
6	काल	16
7	संधि	18
8	समास	34
9	उपसर्ग	40
10	देशज शब्द	49
11	प्रत्यय	53
12	वाक्य विचार	61
13	वाक्य रचना	68
14	अपठित गद्यांश	72
15	तत्सम – तद्भव शब्द	80
16	वाच्य	82
17	मुहावरे	84
18	लोकोक्तियाँ	90
19	विलोम शब्द	93
20	वाक्य के लिए एक शब्द	99
21	Noun (संज्ञा)	105
22	Pronoun (सर्वनाम)	111
23	Adjective (विशेषण)	114

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
24	Adverb (क्रिया विशेषण)	120
25	Verb (क्रिया)	127
26	Conjunction (संयोजक)	134
27	Preposition (उपसर्ग)	140
28	Article (लेख)	157
29	Model	161
30	Time and Tense (समय और काल)	165
31	Conditional Sentences (सशर्त वाक्य)	169
32	Subject–Verb Agreement (कर्ता क्रिया अनुबंध)	172
33	Voice (वाच्य)	176
34	Narration (कथन)	180
35	Transformation of Sentences (वाक्यों का परिवर्तन)	189
36	Antonyms & Synonyms (विलोम और पर्यायवाची शब्द)	193
37	Idioms & Phrases (मुहावरे और वाक्यांश)	205
38	Comprehension Passage (अपठित गद्यांश)	218
39	Spotting Error (त्रुटि अवलोकन)	227
40	Sentence Improvements (वाक्य सुधार)	235

1 CHAPTER
वर्ण विचार

भाषा – परस्पर विचार विनियम को भाषा कहते हैं ।

- भाषा संस्कृत के भाष् शब्द से बना है । भाष् का अर्थ है बोलना।
- भाषा की सार्थक इकाई वाक्य है । वाक्य से छोटी इकाई उपवाक्य, उपवाक्य से छोटी इकाई पदबंध, पदबंध से छोटी इकाई पद (शब्द), पद से छोटी इकाई अक्षर व अक्षर से छोटी इकाई ध्वनि या वर्ण है।
- जैसे – हम शब्द में दो अक्षर (हम) एवं चार वर्ण (ह अ म् अ) है ।

<u>लिपि</u> –किसी भाषा को लिखनें का ढंग लिपि कहलाता है। हिन्दी भाषा की लिपि देवनागरी है । इसकी निम्न विषेशताएँ है ।

(i) यह बाएँ से दायें लिखी जाती है ।
(ii) प्रत्येक वर्ण का एक ही रूप होता है ।
(iii) उच्चारण के अनुरूप लिखी जाती है अर्थात् जैसे बोली जाती है, वैसी लिखी जाती है ।

व्याकरण – जिस शास्त्र में शब्दों के शुद्ध रूप एवं प्रयोग के नियमों का निरूपण होता है, उसे व्याकरण कहते है ।

वर्ण – हिंदी भाषा में वर्ण वह मूल ध्वनि है जिसका विभाजन नहीं हो सकता।

किसी भी भाषा की सबसे छोटी इकाई (ध्वनि) वर्ण कहलाती है।

जैसे :– क्, च्, ट् अ, इ, उ

वर्ण के भेद :– 2 प्रकार है।

(i) स्वर वर्ण (ii) व्यंजन वर्ण

स्वर वर्ण :– स्वतंत्र रूप से बोले जाने वाले वर्ण स्वर कहलाते है। हिन्दी वर्णमाला में कुल ग्यारह (11) स्वर ध्वनियाँ शामिल की गयी है ।

जैसे – अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ

स्वरो का वर्गीकरण :– मुख्यतः 5 आधार पर वर्गीकरण किया गया है।

1. मात्राकाल के आधार पर – 3 प्रकार है ।

(i) ह्रस्व स्वर – वे स्वर जिनके उच्चारण मे कम समय लगता है हस्व स्वर कहलाते है।

जैसे – अ, इ, उ, ऋ (कुल संख्या – 4)

नोट :– (इनको एकमात्रिक स्वर, मूल स्वर भी कहते है)

(ii) दीर्घ स्वर – वे स्वर जिनके उच्चारण मे मुल स्वर से अधिक समय/ दुगुना समय लगता है। वे दीर्घ स्वर कहलाते है। आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, (कुल संख्या –7)

(iii) प्लुत स्वर – जिनके उच्चारण में तीन मात्राओ का समय लगता है । स्वर के प्लुत रूप को दर्शाने के लिए उनके साथ 3 का चिह्न लगाया जाता है ।

जैसे – अ^3, आ^3, इ^3, ई^3, उ^3, ऊ^3, ए^3, ऐ^3, ओ^3, औ^3,

(2) उच्चारण के आधार पर :– (2 प्रकार है)

(i) अनुनासिक स्वर – स्वर का उच्चारण करने पर वायु मुख व नाक दोनो से बाहर निकलती है ।

नोट – अनुनासिक रूप को दर्शाने के लिए चन्द्रबिंदु का प्रयोग होता है ।

जैसे – अँ आँ इँ ईं उँ ऊँ एँ, ऐं ओं औं

(ii) अननुनासिक/निरनुनासिक स्वर – जब किसी स्वर का उच्चारण करनें पर श्वास वायु केवल मुख से ही बाहर निकलती है । वह अननुनासिक/ निरनुनासिक स्वर कहलाता है।

बिना चन्द्रबिन्दू के अपने मूल रूप में लिखे हुए स्वर अनुनासिक माने जाते है ।

जैसे – अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ए, ऐ, ओ, औ,

(3) जिह्वा के आधार पर – (3 प्रकार है)

(i) अग्र स्वर :– उच्चारण करने पर जीभ के आगे वाले भाग मे सर्वाधिक कम्पन होना ।

जैसे – इ, ई, ए, ऐ

(ii) मध्य स्वर – उच्चारण करने पर जीभ के मध्य भाग में कम्पन – अ

(iii) पश्च स्वर – उच्चारण करने पर जीभ के पिछले भाग में अधिक कम्पन ।

जैसे – आ, उ, ऊ, ओ, औ , ऑ

पहचान :– निम्न सारणी के माध्यम से अग्र, पश्च, मध्यम भाग को जाने

अ – मध्य
इ ई ए ऐ – अग्र
आ उ ऊ ओ औ – पश्च

(4) होठों की गोलाई के आधार पर – 2 प्रकार है ।

(i) वृत्ताकार – उच्चारण करने पर होठों का आकार गोल हो जाना।

जैसे :– उ, ऊ ओ, औ

(ii) अवृत्ताकार – उच्चारण करने पर होठों का आकार गोल न होकर ऊपर–नीचे फैलना।

जैसे – अ, आ, इ, ई ए, ऐ

(5) **मुखाकृति के आधार पर – 04 प्रकार है।**

(i) संवृत स्वर – उच्चारण करने पर मुँह का कम खुलना। जैसे – इ, ई, उ, ऊ

(ii) अर्द्ध संवृत स्वर – उच्चारण करने पर मुँह का संवृत से थोडा ज्यादा खुलना – ए, ओ

(iii) विवृत – उच्चारण करने पर मुख का सबसे ज्यादा/पूरा खुलना। जैसे – आ

(iv) अर्द्धविवृत – उच्चारण करने पर मुँह का विवृत से थोडा कम खुलना।
जैसे – अ, ऐ, औ, ऑ

व्यंजन वर्ण

स्वर की सहायता से बोले जाने वाले वर्ण व्यंजन कहलाते है।
हिन्दी वर्णमाला में कुल 35 मूल (33 + 2 उत्क्षिप्त) व्यंजन ध्वनियाँ होती है ।
जिनको तीन भागों में बाँटा गया है ।
(i) स्पर्श व्यंजन – (27) (मूल 25 + 2 उत्क्षिप्त)
(ii) अंतः स्थ व्यंजन – (04)
(iii) ऊष्म व्यंजन – (04)

(i) स्पर्श व्यंजन

जब किसी व्यंजन का उच्चारण करने पर श्वास वायु हमारे मुख के किसी अंग को स्पर्श करते मुख से बाहर निकलती है वह स्पर्श व्यंजन कहलाते है ।
स्पर्श व्यंजन को 5 भागों में बाँटा गया है –
(अ) 'क' वर्ग – क् ख् ग् घ् ङ्.
(ब) 'च' वर्ग – च् छ् ज् झ् ञ्
(स) 'ट' वर्ग – ट् ठ् ड् ढ् ण्
(द) 'त' वर्ग – त् थ् द् ध् न्
(य) 'प' वर्ग – प् फ् ब् भ् म्

(ii) अंतः स्थ व्यंजन

जब किसी व्यंजन का उच्चारण करने पर सर्वप्रथम हमारे मुख के अन्दर स्थित स्वर तंत्रियो में कम्पन होता है, व उसके बाद श्वास वायु मुख में बाहर निकलती है तो वह अन्तःस्थ व्यंजन कहलाती है ।
कुल अन्तः स्थ व्यंजन – 4 है ।
जैसे :– य् व् र् ल्

(iii) ऊष्म व्यंजन

जब किसी व्यंजन का उच्चारण करने पर श्वास वायु मुख से बाहर निकलते समय हल्की गर्म हो जाती है, तो वह ऊष्म व्यंजन कहलाता है।
कुल ऊष्म व्यंजन – 4 है।
जैसे – श, स, ष, ह

संयुक्त व्यंजन – इसी श्रेणी मे 4 व्यंजन शामिल किये जाते है ।
क्ष – ष् + अ
त्र – त् + र + अ
ज्ञ – ज् + ञ्+ अ
श्र – श् + र् + अ

व्यंजनों का वर्गीकरण

व्यंजनों का वर्गीकरण – मुख्यतः 2 प्रकार का है ।
(1) उच्चारण स्थान के आधार पर
(2) प्रयत्न के आधार पर

(1) उच्चारण स्थान के आधार पर –

स्वर – युक्त व्यंजन व उनका वर्गीकरण–

(अ) उच्चारण स्थान के आधार पर –

उच्चारण स्थान	नाम ध्वनि	वर्ग	व्यंजन	स्वर
कंठ	कंठ्य	क वर्ग	क ख ग घ ङ ह	अ आ
तलु	तालव्य	च वर्ग	च छ ज झ ञ य श	इ ई
मूर्द्धा	मूर्द्धन्य	ट वर्ग	ट ठ ड ण ड़ ढ़ ष र	ऋ
दाँत	दन्त्य	त वर्ग	त थ द ध न ल स	
ओष्ठ	ओष्ठ्य	प वर्ग	प फ ब भ म	उ ऊ
कंठ व तालु	कंठ्य–तालव्य			ए ऐ
दाँत व ओष्ट	दन्तोष्ठ्य		व	
कंठ व ओष्ठ	कंठोष्ठ्य			ओ औ
नासिक्य			ङ्., ञ् ण् न् म्	

2) प्रयत्न के आधार पर व्यंजनों का वर्गीकरण
मुख्यतः 3 भागों में बाँटा गया है –
(i) कंपन के आधार पर
(ii) श्वास वायु के आधार पर
(iii) उच्चारण के आधार पर

(i). कम्पन्न के आधार पर व्यंजन का वर्गीकरण

a) **अघोष :–** वे ध्वनियाँ जिनका उच्चारण करते समय स्वरतंत्रियो में कम्पन्न नहीं होता है अघोष कहलाते है। इसमें वर्ग का पहला,दुसरा वर्ण तथा श, स, ष आते है।

b) **घोष/सघोष :–** वे ध्वनियाँ जिनका उच्चारण करते समय स्वर तंत्रियों मे कम्पन्न होता है घोष/सघोष कहलाते है
इसमे वर्ग का तीसरा, चौथा, पाँचवा वर्ण तथा य. र, ल, व, ह और सभी स्वर आते है।

(ii). श्वास वायु के आधार पर व्यंजन का वर्गीकरण

a) अल्प प्राण :– ऐसे वर्ण जिनका उच्चारण करते समय कम वायु बहार निकलती हो, अल्प प्राण कहलाते हैं।

b) महाप्राण :– ऐसे वर्ण जिनका उच्चारण करते समय अधिक वायु की आवश्यकता होती है, महाप्राण कहलाता है।
इसमे दुसरा, चौथा वर्ण तथा श,स,ब,ह आते है।

(iii).उच्चारण के आधार पर –

इस आधार पर व्यंजन 8 प्रकार के होते है ।

a. स्पर्शी व्यंजन (16) क, ख, ग, घ, ट, ठ, ड, ढ, त, थ, द, ध, प, फ, ब, भ
b. स्पर्श संघर्शी व्यंजन (4) – च, छ, ज, झ
c. संघर्षी व्यंजन (4) – ष, श, स, ह
d. नासिक व्यंजन (5) – ङ, ञ, ण, न, म
e. उत्क्षिप्त व्यंजन (2) – ड, ढ
f. प्रकंपित व्यंजन (1) – र
g. पार्श्विक व्यंजन (1) – ल
h. संघर्षहीन व्यंजन (2) – य, व

परीक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण तथ्य ("वर्ण विचार" से संबंधित)

- दीर्घ स्वर को संयुक्त स्वर के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि दीर्घ स्वरों की रचना प्राय दोनों स्वरों के मिलने से होती है।
- सात दीर्घ स्वरों को भी दो भागों समानाक्षर स्वर, संधि स्वर के रूप में विभाजित किया जाता है।

	समानाक्षर स्वर	**संधि स्वर**
(i)	आ – अ + अ	ए – अ + इ
(ii)	ई – इ + इ	ऐ – अ – ए
(iii)	ऊ – उ + उ	औ – अ + ओ

- प्लुत स्वर वर्गीकरण का सर्वप्रथम साक्ष्य पाणिनि की अष्टाध्यायी रचना में मिलता है।
- हिन्दी वर्णमाला में कुछ व्यंजन शब्दों के नीचे नुक्ता (बिन्दु) का प्रयोग किया जाता है, जिन्हे आगत/गृहीत व्यंजन कहा जाता है।
- आगत व्यंजनों की कुल संख्या 05 होती है।

क़ – क़रीब
ख़ – ख़ाना
ग़ – ग़म
ज़ – ज़रा
फ़ – फ़न, फ़ाइल (अंग्रेजी)

अंग्रेजी से गृहीत स्वर.
ऑ (ə)
जैसे – कॉलेज, डॉक्टर

- हिन्दी भाषा में आगत व्यंजनो का आगमन अरबी/फारसी, अग्रेजी भाषा से हुआ है।
- हिन्दी भाषा में नुक्ता व्यंजन की शुरूआत का श्रेय हिन्दी विद्वान "विप्रसाद सितारे हिंद" को जाता है।
- काकल वर्ण के अन्तर्गत, (:) विसर्ग को शामिल किया जाता है।
- वर्त्स वर्णो में न, स, ल को शामिल किया जाता है।
- इसकी कुल संख्या चार होती है।
  (1) जिह्वा (2) अधरोष्ठ (नीचे का होंठ)
  (3) स्वर तंत्रियाँ (4) कोमल तालु
- तालु उच्चारण स्थान में आनें वाले वर्णो को कोमल तालव्य व कठोर तालव्य के रूप में दो भागो में विभाजित किया गया है।
- हिन्दी वर्णमाला में अं (अनुस्वार), अः (विसर्ग) को अयोगवाह वर्ण कहा जाता है। क्योंकि इन वर्णों को न तो स्वरों में जोड़ा जाता है व न ही व्यंजनों में अतः अयोगवाही वर्ण कहलाते है।
- हल् चिह्न (्) व्यंजन के स्वर रहित होनें का परिचायक है । स्वर रहित व्यंजन के साथ हल् का चिह्न लगाया जाता है या फिर खड़ी पाई वाले व्यंजन चिह्नो की खड़ी पाई हटा दी जाती है। उसके अर्द्धरूप का प्रयोग किया जाता है।
  जैसे– विद्‌या, पाठ्‌य, अपराह्‌न, पट्‌टा आदि।

1. नांद या संवार वर्ण – सभी घोष वर्णों को ही कहा जाता है।
2. विवार या श्वास वर्ण – सभी अघोष वर्णों को ही कहा जाता है।
3. स्पृष्ठ वर्ण – सभी स्पर्श व्यंजन वर्णों को ही कहा जाता है।
4. ईशत्स्पृष्ट वर्ण – अन्तस्थ व्यंजन (य,र,ल,व) वर्णों को ही कहा जाता है।
5. ईशद्‌विवृत वर्ण – उष्म व्यंजन (ष, श, स, ह)
6. रक्त वर्ण –प्रत्येक वर्ग का पाँचवा वर्ण
7. सोष्म व्यंजन वर्ण – प्रत्येक वर्ग का दूसरा व चौथा वर्ण

नोट – हिन्दी वर्णमाला में मूल रूप से 11 स्वर व 33 व्यंजन सहित कुल 44 वर्ण होते है।

हिन्दी वर्णमाला की वर्तमान में अपवादित स्थिति को सारणी के माध्यम से समझें।

स्वर	**व्यंजन**	**कुल**
स्वर 11	व्यंजन 33	44
–	ड़, ढ़ + (2) (उत्क्षिप्त व्यंजन)	46
–	अं, अः + (2) (अयोगवाह)	48
–	क्ष, त्र, ज्ञ, श्र + (4) संयुक्त व्यंजन	52
	क़ ख़ ग़ ज़ फ़ + 5 गृहीत व्यंजन	57

नोट – सर्वमान्य मत हिन्दी वर्णमाला में कुल 44 वर्ण होते हैं।

उत्क्षिप्त वर्ण

जिन ध्वनियों के उच्चारण में जिह्वा मूर्ध्दा को स्पर्श कर तुरन्त नीचे गिरती है, उन्हे उत्क्षिप्त वर्ण कहते हैं।

जैसे – ड. ढ.

नियम – 1. यदि शब्द की शुरूआत उत्क्षिप्त वर्णों से हो तो लिखते समय इनके नीचे बिंदु नहीं आता है ।

जैसे – डमरू, ढोलक, डलिया, ढक्कन, डाली

नियम – 2. यदि शब्द के अन्तर्गत इनसे पहले आधा वर्ण आता है तो भी लिखते समय इनके नीचे बिंदु नहीं आता है।

जैसे – पण्डित, बुड्ढा, अड्डा, खण्ड, मण्डल आदि ।

- उपर्युक्त दोनों नियमों के अलावा प्रत्येक स्थिति में इनके नीचे बिन्दु आता है।
  जैसे – पढ.ाई, लड.ाई, सड़क, पकड़ना, ढूँढना आदि।

रकार/रेफ या र संबंधित नियम

नियम 1. – यदि र् के बाद व्यंजन वर्ण आए तो र् को उसी व्यंजन वर्ण के उपर लिखते हैं अर्थात् जिस व्यंजन वर्ण से पहले र् का उच्चारण किया जाता है, र को उसी व्यंजन वर्ण के उपर लिखा जाता है।

जैसे – कर्म, धर्म, वर्ण, दर्शक, स्वर्ग, अर्थात्, पुनर्जन्म, पुनर्निमाण, आशीर्वाद।

नियम 2. – यदि र् से पहले व्यंजन वर्ण आए तो र् को उसी व्यंजन वर्ण के मध्यय में लिखा जाता है।

जैसे – प्रकाश, प्रभात, प्रेम, क्रम, भ्रम, भ्रष्ट, भ्राता

2
CHAPTER

संज्ञा

परिभाषा

- किसी प्राणी, स्थान, वस्तु तथा भाव के नाम का बोध कराने वाले शब्द संज्ञा कहलाती हैं।
- साधारण शब्दों में नाम को ही संज्ञा कहते है।
- जैसे – अजय ने जयपुर के हवामहल की सुंदरता देखी।
- अजय एक व्यक्ति है, जयपुर स्थान का नाम है, हवामहल वस्तु का नाम है। सुंदरता एक गुण का नाम है।

संज्ञा के भेद –

संज्ञा के मुख्यतः तीन भेद है –

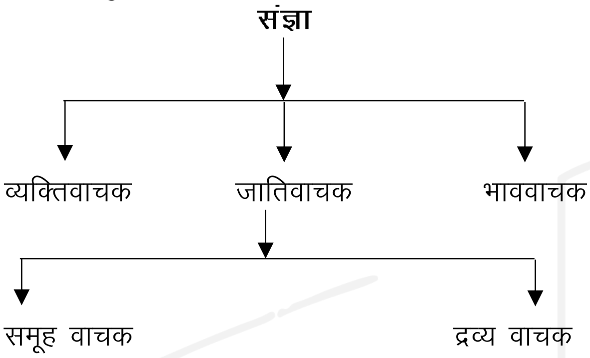

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा – जिस संज्ञा शब्द से एक ही व्यक्ति, वस्तु, स्थान के नाम का बोध हो उसे व्यक्तिवाचक संज्ञा कहते हैं।

- व्यक्तिवाचक संज्ञा विशेष का बोध कराती है सामान्य का नही।
- व्यक्तिवाचक संज्ञा में व्यक्तियों, देशों, शहरों, नदियों, पर्वतों, त्योहारों, पुस्तकों, दिशाओ, समाचार–पत्रों, दिन, महीनों के नाम आते हैं।

2. जातिवाचक संज्ञा – जिस संज्ञा शब्द से किसी जाति के संपूर्ण प्राणियों, वस्तुओं, स्थानों आदि का बोध होता है, उसे जातिवाचक संज्ञा कहते हैं।
प्रायः जातिवाचक वस्तुओं, पशु–पक्षियों, फल–फूल, धातुओं, व्यवसाय संबंधी व्यक्तियों, नगर, शहर, गाँव, परिवार, भीड़ जैसे समूहवाची शब्दों के नाम आते हैं।

व्यक्तिवाचक संज्ञा	जातिवाचक संज्ञा
प्रशान्त महासागर	महासागर
भारत, राजस्थान	देश, राज्य
रामचन्द्र शुक्ल, महावीर द्विवेदी	इतिहासकार, कवि
रामायण, ऋग्वेद	ग्रंथ, वेद
अजय की भैंस	भदावरी, मुर्रा
हनुमानगढ, नोहर	जिला, उपखण्ड
ग्राण्ड ट्रंक रोड़	रोड़, सड़क

3. भाववाचक संज्ञा – जिस संज्ञा शब्द में प्राणियों या वस्तुओं के गुण, धर्म, दशा, कार्य, मनोभाव, आदि का बोध हो उसे भाववाचक संज्ञा कहते हैं।

- प्रायः गुण–दोष, अवस्था, व्यापार, अमूर्त भाव तथा क्रिया भाववाचक संज्ञा के अन्तर्गत आते हैं।
- भाववाचक संज्ञा की रचना मुख्यतः पाँच प्रकार के शब्दों से होती हैं।
  1. जातिवाचक संज्ञा से
  2. सर्वनाम से
  3. विशेषण से
  4. क्रिया से
  5. अव्यय से

जातिवाचक संज्ञा से बने भाववाचक संज्ञा शब्द

जातिवाचक संज्ञा	भाववाचक संज्ञा
बच्चा	बचपन
शिशु	शैशव
ईश्वर	ऐश्वर्य
विद्वान	विद्वता
व्यक्ति	व्यक्तित्व
मित्र	मित्रता
बंधु	बंधुत्व
पशु	पशुता
बूढ़ा	बुढापा
पुरूष	पुरूषत्व
दानव	दानवता
इंसान	इंसानियत
सती	सतीत्व
लड़का	लड़कपन
आदमी	आदमियत
सज्जन	सज्जनता
गुरु	गौरव
चोर	चोरी
ठग	ठगी

विशेषण से बने भाववाचक संज्ञा शब्द

विशेषण	भाववाचक संज्ञा
बहुत	बहुतायत
न्यून	न्यूनता
कठोर	कठोरता
वीर	वीरता
विधवा	वैधव्य
मूर्ख	मूर्खता
चालाक	चालाकी
निपुण	निपुणता

शिष्ट	शिष्टता
गर्म	गर्मी
ऊँचा	ऊँचाई
आलसी	आलस्य
नम्र	नम्रता
सहायक	सहायता
बुरा	बुराई
चतुर	चतुराई
मोटा	मोटापा
शूर	शौर्य / शूरत
स्वस्थ	स्वास्थ्य
सरल	सरलता
मीठा	मिठास
आवश्यक	आवश्यकता
निर्बल	निर्बलता
हरा	हरियाली
काला	कालापन / कालिमा
छोटा	छुटपन
दुष्ट	दुष्टता

क्रिया से बनें भाववाचक संज्ञा शब्द

क्रिया	भाववाचक संज्ञा
बिकना	बिक्री
गिरना	गिरावट
थकना	थकावट / थकान
हारना	हार
भूलना	भूल
पहचानना	पहचान
खेलना	खेल
सजाना	सजावट
लिखना	लिखावट
जमना	जमाव
पढ़ना	पढ़ाई
हंसना	हँसी
भूलना	भूल
उड़ना	ऊड़ान
सुनना	सुनवाई
कमाना	कमाई
गाना	गान
चमकना	चमक
उड़ना	उड़ान
पीना	पान

अव्यय से बनें भाववाचक संज्ञा शब्द

अव्यय	भाववाचक संज्ञा
उपर	उपरी
समीप	सामीप्य
दूर	दूरी
धिक्	धिक्कार
निकट	निकटता
शीघ्र	शीघ्रता
मना	मनाही

- 'अन' प्रत्यय से जुड़ें शब्द भाववचाक संज्ञा शब्द माने जाते हैं।
  जैसे – व्याकरण वि + आ + कृ + अन
  कारण कृ + अन
- कुछ विद्वानों ने संज्ञा के दो अन्य भेद भी स्वीकार किये हैं।

1. **समुदायवाचक संज्ञा** – ऐसे संज्ञा शब्द जो किसी समूह की स्थिति को बताते हैं। समुदाय वाचक संज्ञा कहलाते हैं। जैसे – सभा, भीड़, ढेर, मण्डली, सेना, कक्षा, जुलूस, परिवार, गुच्छा, जत्था, दल आदि।

2. **द्रव्य वाचक संज्ञा** – किसी द्रव्य या पदार्थ का बोध कराने वाले शब्दों को द्रव्यवाचक संज्ञा कहते हैं।
   जैसे – दूध, घी, तेल, लोहा, सोना, पत्थर, ऑक्सीजन, पारा, चाँदी, पानी आदि।
   नोट – जातिवाचक संज्ञा का कोई शब्द यदि वाक्य प्रयोग में किसी व्यक्ति के नाम को प्रकट करने लगे तो वहाँ व्यक्तिवाचक संज्ञा मानी जाती है।
   आजाद – भारत की स्वतंत्रता में चन्द्रशेखर आजाद ने महत्त योगदान दिया था।
   सर दार – सरदार वल्लभ भाई पटेल ने भारत को जोड़नें की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
   गाँधी – गाँधीजी ने असहयोग आंदोलन को शुरू किया था।

- ओकारान्त बहुवचन में लिखा विशेषण शब्द विशेषण न मानकर जातिवाचक संज्ञा शब्द माना जाता है।
  जैसे –
  गरीब गरीबों
  बड़ा बड़ों
  अमीर अमीरों

3 CHAPTER सर्वनाम

परिभाषा – भाषा में सुंदरता, संक्षिप्तता, एवं पुनरुक्ति दोष से बचने के लिए संज्ञा के स्थान पर जिस शब्द का प्रयोग किया जाता है, वह सर्वनाम कहलाता है।

- सर्वनाम शब्द सर्व + नाम के योग से बना है जिसका अर्थ है – सब का नाम।
- सभी संज्ञाओं के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं। सर्वनाम के प्रयोग से वाक्य में सहजता आ जाती है।
  जैसे – अमर आज विद्यालय नहीं आया क्योंकि वह अजमेर गया है।
- संज्ञा के स्थान पर प्रयुक्त होने वाले शब्द सर्वनाम कहलाते हैं।

सर्वनाम के भेद – सर्वनाम के कुल 06 भेद हैं

1. पुरुषवाचक
2. निश्चय वाचक
3. अनिश्चय वाचक
4. संबंध वाचक
5. प्रश्न वाचक
6. निजवाचक

1. पुरुषवाचक सर्वनाम – वे सर्वनाम शब्द जिसका प्रयोग वक्ता, श्रोता, अन्य तीसरा (कहनें वाला, सुनने वाला, अन्य) जिसके लिए कहा जाए, के लिए प्रयुक्त होने वाले शब्द पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।

पुरुषवाचक सर्वनाम को भी तीन भागों में बाँटा गया है

पुरुषवाचक सर्वनाम

उत्तम पुरुष | मध्यम पुरुष | अन्य पुरुष

(i) उत्तम पुरुष – बोलने वाला / लिखने वाला
जैसे – मैं, हम, हम सब।

(ii) मध्यम पुरुष – श्रोता/सुनने वाला
जैसे – तू, तुम, आप, आप सब।

(iii) अन्य पुरुष – बोलने वाला व सुनने वाला जिस व्यक्ति या तीसरे के बारें में बात करें वह अन्य पुरुषवाचक सर्वनाम कहलाता है।
जैसे – यह, वह, ये, वे, आप।

2. निश्चय वाचक सर्वनाम – वे सर्वनाम शब्द जो पास या दूर स्थित व्यक्ति या पदार्थ की ओर निश्चितता का बोध कराते हैं। वे निश्चय वाचक सर्वनाम कहलाते हैं।
पास की वस्तु के लिए – यह, ये।
दूर की वस्तु के लिए – वह, ये।

3. अनिश्चयवाचक सर्वनाम – वे सर्वनाम शब्द जिससे किसी व्यक्ति या वस्तु के बारें में निश्चतता का बोध नहीं होता हैं। अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।
जैसे – कोई

- सजीवता के लिए – 'कोई' का प्रयोग
  उदाः रमन को कोई बुला रहा है।
- निर्जीवता के लिए – 'कुछ' का प्रयोग
  उदाः दूध मे कुछ गिरा है।

4. संबंधवाचक सर्वनाम – दो उपवाक्यों के बीच आकर संज्ञा या सर्वनाम का संबंध दूसरे उपवाक्य के साथ दर्शाने वाले सर्वनाम संबंधवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।
जैसे – जिसकी लाठी उसकी भैंस।
जो मेहनत करेगा वो सफल होगा।

5. प्रश्नवाचक सर्वनाम – जिस सर्वनाम शब्द का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए किया जाता हैं वह प्रश्नवाचक सर्वनाम कहलाता है।
जैसे – वहाँ गलियारे से होकर कौन जा रहा था ?
कल तुम्हारे पास किसका पत्र आया था ?

6. निजवाचक सर्वनाम – ऐसे सर्वनाम शब्द जिसका प्रयोग स्वयं के लिए किया जाता है, निजवाचक सर्वनाम कहलाते हैं।
जैसे – आप, स्वयं, खुद, अपना।
जैसे – मैं अपने आप चला जाऊँगा।

- सर्वनाम में आप शब्द का प्रयोग विभिन्न सर्वनामों में किया जाता है जिसका सही प्रयोग निम्न तरीकों से जाना जा सकता है।
  (i) अगर 'आप' शब्द का प्रयोग 'तुम' शब्द के रूप में किया जाता है तो – मध्यम पुरुष वाचक सर्वनाम होगा।
  (ii) 'आप' शब्द का प्रयोग स्वयं के अर्थ में होने पर – निजवाचक सर्वनाम होगा।
  (iii) आप शब्द का प्रयोग किसी अन्य व्यक्ति से परिचय करवाने के लिए प्रयुक्त हो तो वाक्य में अन्य पुरुष वाचक सर्वनाम होगा।

4 CHAPTER विशेषण

परिभाषा

संज्ञा या सर्वनाम की विशेषता बतलाने वाले शब्दों को विशेषण कहा जाता है।

जो शब्द विशेषता बताते हैं, उन्हें विशेषण कहा जाता है और जिसकी विशेषता बताई जाती है, उसे विशेष्य कहा जाता है।

जैसे – छोटा जादूगर करतब दिखा रहा है ।

यहाँ छोटा शब्द विशेषण है तथा जादूगर विशेष्य (संज्ञा) है।

विशेष – विशेषण की पहचान का तरीका

किसी भी वाक्य में कैसा/कैसी/कैसे अथवा कितना/कितनी/कितने शब्दों से प्रश्न किये जाने पर इसके उत्तर के रूप में जो कोई भी शब्द लिखा जाता है। यह विशेषण माना जाता है।

जैसे –

(i) अंकित कैसा लडका है ?
उत्तर – अंकित अच्छा/बुरा/भला/शैतान/चंचल लडका है।

(ii) हरी तुम्हारे पास कितनी गायें है ?
उत्तर – मेरे पास पाँच/दस/सौ/हजारों गाये है।

विशेषण के भेद – विशेषण मूलतः चार प्रकार के होते है।

1. गुणवाचक विशेषण
2. संख्यावाचक विशेषण
3. परिमाणवाचक विशेषण
4. संकेतवाचक (सार्वनामिक) विशेषण
5. व्यक्ति वाचक विशेषण

1. गुणवाचक विशेषण

ऐसे विशेषण शब्द जो किसी संज्ञा या सर्वनाम के रंग, रूप, गुण, दोष, आकार, दशा, स्थिति, स्थान, काल, समय, आदि की विशेषता को प्रकट करते हैं, वहाँ गुणवाचक विशेषण माना जाता है।

जैसे – कृष्णमृग, सुन्दर बालिका, भले लोग, गंदी बस्ती, बड़ा लड़का, पुराना मकान आदि।

2. संख्यावाचक विशेषण

जो विशेषण शब्द किसी पदार्थ की संख्या को प्रकट करे। एक, दूसरी, चौगुनी, दोनों, शतक, दर्जनों, अनेक आदि।

3. परिमाण वाचक विशेषण

ऐसे विशेषण शब्द जो किसी पदार्थ में मात्रा को प्रकट करते है उनमें परिमाण वाचक विशेषण माना जाता है ।

जैसे – दो लीटर तेल, हजार टन गेहूँ, थोडा सा पानी

4. सार्वनामिक या संकेतवाचक विशेषण

विशेषण के रूप में प्रयुक्त होने वाले सर्वनाम को सार्वनामिक विशेषण कहते है।

जैसे – (i) यह किताब मेरी है। (ii) वह लडका खाना खा रहा है। (iii) जो लोग मेहनत करते है वे अवश्य अपनी मंजिल पाते है।

5. व्यक्तिवाचक विशेषण

ऐसे शब्द जो मूल रूप से व्यक्तिवाचक संज्ञा है परन्तु वाक्य में विशेषण का काम करती है उन्हें व्यक्तिवाचक विशेषण कहते हैं।

उदाः नागपुरी संतरे, कश्मीरी सेब, बनारसी साड़ी

विशेषण की अवस्थाएँ – 3 होती है।

(i) मूलावस्था – जो विशेषण शब्द अपने मूल रूप में लिखा जाता है।
जैसे – अतुल एक अच्छा लड़का है।

(ii) उत्तरावस्था – जब कोई विशेषण शब्द दो पदार्थो की तुलना करने के लिए प्रयुक्त होता है।
जैसे – (i) गंगा यमुना से पवित्र नदी है।
(ii) मानसी पटुतर लड़की है।

पहचान – जब किसी विशेषण शब्द से पहले 'से' शब्द लिखा हो अथवा विशेषण के बाद 'तर' प्रत्यय जुडा हो तो वहाँ उत्तरावस्था मानी जाती है।

(iii) उत्तमावस्था – जब कोई विशेषण शब्द अनेक पदार्थो में से किसी एक को चुनने में काम आता है, वहाँ उत्तमावस्था मानी जाती है।

पहचान – जब विषेशण शब्द से पहले सबसे शब्द या विशेषण के बाद तम/इष्टा/तरीन प्रत्यय लगा हो वहाँ उत्तमावस्था होगी।

जैसे – (i) स्नेहा कक्षा की पटुतम बालिका है।
(ii) नवीन सबसे अच्छा लडका है।
(iii) विद्यालय में व्यवस्थाएँ बेहतरीन है।

प्रविशेषण

ऐसे शब्द जो किसी विशेषण की भी विशेषता को प्रकट करते है, वे प्रविशेषण कहलाते है।

जैसे – (i) वह बहुत तेज दौड़ता है।
(ii) अवनी अत्यंत सुंदर बालिका है।

21
CHAPTER

NOUN (संज्ञा)

- किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, गुण, कार्य या अवस्था के नाम को Noun कहते है ।
- यह पाँच प्रकार की होती है –
  1. **Proper Noun** (व्यक्तिवाचक संज्ञा) – जब व्यक्ति, वस्तु या स्थान के नाम का बोध हो ।
     Eg:- Ram, Delhi, Gita etc.
  2. **Common Noun** (जातिवाचक संज्ञा) – जब एक वर्ग अथवा जाति के व्यक्ति या वस्तु का बोध हो ।
     Eg:- King, Boy, City, Girl etc.
  3. **Collective Noun** (समूहवाचक संज्ञा) – जब समूह का बोध हो है ।
     Eg:- Team, Herd, Committee, Army etc.
  4. **Material Noun** (द्रव्यवाचक संज्ञा) – जब ऐसे पदार्थ का बोध हो जिससे दूसरी वस्तुएं बनायी जा सके ।
     Eg:- Gold, Silver, iron, wood etc.
  5. **Abstract Noun** (भाववाचक संज्ञा) – जब ऐसे गुण, भाव, क्रिया एवं अवस्था का बोध हो जिन्हे देखा व छुआ नहीं जा सके, केवल महसूस किया जा सकता है ।
     Eg:- Honesty, Virtue, Kindness, Jealous etc.

Important Point

1. कुछ Noun ऐसे होते है जो देखने में Plural लगते है, परंतु अर्थ में Singular होते है ।
   Such as - Civics, Mathematics, Ethics, Politics, Economics, Mumps, Billiards, Athletics etc.
   Eg:- Civics is a good subject.
2. कुछ Noun देखने में singular लगते है, लेकिन अर्थ में Plural होते है ।
   Such as - Cattle, Gentry, Peasantry (किसानी), Poultry (मुर्गीफॉर्म), Clergy (पादरी लोग) etc.
   Eg:- Cattle are grazing in the field.
3. कुछ शब्द जैसे– Committee, Audience, Police, team, mob (भीड) देखने में Singular लगते है but अर्थ में Plural होते है ।
4. कुछ Noun का Use Singular form में किया जाता है, ये Uncountable Noun होते है ।
   Such as - Scenery, Furniture, information, advice, poetry, luggage, luck, language, business, knowledge, money, Jewelry.
   Eg:- He gave me information's (information).
   I like Shakespeare's poetries (Poetry).
5. कुछ Noun Singular व Plural दोनों में Use होते है।
   Such as –
   Dear, Fish, Crew, Family, team, counsel (परामर्श)
6. यदि किसी Noun से पूर्व Preposition आता है तो वह Singular noun होता है ।
   Eg:- Ship after ship is coming.
7. कुछ noun ऐसे होते है जिनमें 'S' लगाने से उनका अर्थ बदल जाता है ।
   Such as -
   Water – Waters (समुद्र)
   People – Peoples (बहुत से राष्ट्र के लोग)
   Iron – irons (बेडिया)
   Physic (दवा) – Physics (भौतिकी)
   Eg:- your physics is (are) poor.
8. Dozen (दर्जन), Gross, score, hundred, thousand, Million (10 Lac), Billion (100 Lac), Weight, stone, pair, units में एक जैसा प्रयोग होता है अर्थात् Singular or Plural दोनो में प्रयोग होता है ।
   Eg:- I have bought two dozens (Dozen) pencils.
   I have bought dozens of Bananas.

ToppersNotes Unleash the topper in you

9. 'ICS' ending noun के पहले 'The' अथवा possessive, adjective, my, your, our का प्रयोग होने पर इनका अर्थ बदल जाता है अतः ये plural noun के रूप में बदल जाते है।

Eg.:- My mathematics are not very good.

10. (i) Cloths – बिना सिले हुए

Clothes – सिले हुए

(ii) Cost - कीमत

Price – कीमत

- Cost का use amount of paid by the shopkeeper के अर्थ में होता है।
- जबकि price का अर्थ Amount Paid by customer के रूप में होता है।

Eg :- The price of production of automobile items has gone up. (The cost of)

Eg :- Sometimes buyers (खरीदने वाला) have to pay higher costs for items. (Higher price)

11. 'House' का प्रयोग A building to live in के अर्थ में करते है।

Eg :- Quarters are homes allotted for a definite period. (×)

Quarters are houses allotted for a definite period. (✓)

12. कुछ Nouns का प्रयोग Plural form में ही होता है। इनके अंतिम में लगे 'S' को हटाकर singular नहीं बनाया जा सकता है।

Scissors, tongs, pliers, trousers, plants, pajamas, shorts, gallus, Spectacles, binoculars, alms, amends, fireworks, outskirts, particulars etc.

Eg:- All his assets were seized.

Alms are given to the beggars.

13. Hyphenated noun का प्रयोग कभी भी plural noun में नहीं होता है।

Eg :- He gave me two hundred rupees notes. (×)

He gave me two hundred rupee notes. (✓)

He stays in five stars hotels. (×)

He stays in five star hotels. (✓)

14. Common Gender Nouns

जैसे– teacher, student, child, clerk, advocate, worker, writer, leader, musician etc. dual gender noun होते है। इनके साथ सामान्य तथा he/his/him प्रयोग करते है।

Eg :- Every leader should perform his duty.

A teacher should perform his duty sincerely.

15. कुछ nouns का प्रयोग लोग बोल–चाल की भाषा में करते है लेकिन वास्तव में उनका प्रयोग करना बिलकुल गलत होता है।

Eg:-

	गलत प्रयोग	सही प्रयोग
1.	Cousin brother or cousin sister	Cousin
2.	Pickpocketer	Pickpocket
3.	Good name	Name
4.	Big/small blunder	Blunder (blunder का अर्थ होता है बडी भूल। अतः big का प्रयोग गलत है।)
5.	Strong breeze	Strong wind (Breeze हमेशा light एवं gentle होता है।)
6.	Bad dream	Nightmare

16. निम्नलिखित nouns में भी हमें confusion रहता है–

1.	Floor (फर्श)	Ground (जमीन)
2.	skill (सीख कर प्राप्त करते हैं)	Talent Inborn (जन्म से होता है ।)
3.	Envy (ईर्ष्या जो दूसरों की चीजों को देख कर होती है ।)	Jealousy (ईर्ष्या जो अपनी चीजों के खोने के डर से हाती है ।)

17. कुछ nouns के singular एवं plural forms के अर्थ पूर्णतया अलग होते हैं, अतः इनका प्रयोग सावधानीपूर्वक करना चाहिए ।

Eg :-

Singular	Meaning	Plural	Meaning
Air	(हवा)	Airs	(दिखावटी व्यवहार)
Return	(वापसी)	Returns	(आय का हिसाब)
Iron	(लोहा)	Irons	(जंजीरे)
Sand	(रेत)	Sands	(रेगिस्तान)
Wood	(लकडी)	Woods	(जंगल)
Abuse	(दुरूपयोग)	Abuses	(कुरूतियाँ)
Good (adj.)	(अच्छा)	Goods	(सामान)
Water	(पानी)	Waters	(समुद्र)
Work	(काम)	Works	(साहित्य लेख)
Fruit	(फल जैसे सेब इत्यादि)	Fruits	(नतीजा) (मेहनत इत्यादि का)
Wit	(वाक्पटुता)	Wits	(बुद्धिमता)

18. कुछ विदेशी भाषा के Nouns के Plural forms नीचे दिये गए हैं –

Singular	Plural
Agendum (कार्यक्रम)	Agenda
Erratum (छापेखाने की भूल)	Errata
Alumnus (विद्यार्थी)	Alumni
Axis (धुरी)	Axes
Analysis (विश्लेषण)	Analyses
Bacillus (हानिकारक कीटाणु)	Bacilli
bandit (लुटेरा)	Banditti (bandits)
Bacterium (कीटाणु)	Bacteria
Basis (आधार)	Bases
Criterion (कसौटी)	Criteria
Crisis (संकट)	Crises
Datum (जानी हुई बात)	Data
Dictum (सिद्धान्त)	Dicta
Formula (सूत्र)	Formulae/formulas
Memorandum (स्मृतिपत्र)	Memoranda
Sanatorium (स्वास्थ्यवर्द्धक स्थान)	Sanatoria
Phenomenon (घटना)	Phenomena
Thesis (अनुसंधानपूर्ण लेख)	Theses
Medium (माध्यम)	Media
Radius (त्रिज्या)	Radii
oasis (रेगिस्तान की हरी–भरी भूमि)	Oases
Series (क्रम)	Series
species (जाति)	Species
Apparatus (यंत्र)	Apparatus
Terminus (अंत)	Termini
Index (सूची)	Indices
Hypothesis (शर्त/उपकल्पना)	Hypotheses
Parenthesis (निक्षीप्त वाक्य)	Parentheses
Genius (विद्वान, प्रतिभाशाली व्यक्ति)	Genii/Geniuses
Metamorphosis (कायान्तरण)	Metamorphoses
Narcosis (बेहोशी)	Narcoses

Diagnosis (रोगी का निर्णय)	Diagnoses
Album (संग्रह पुस्तक)	Albums
Mausoleum (मकबरा/समाधि)	Mausoleums, Mausolea
Forum (मंच/न्यायालय)	Forums
Premium (किश्त)	Premiums
Museum (संग्रहालय)	Museums
Auditorium (श्रोताकक्ष)	Auditoriums
Aquarium (जल-जीवशाला)	Aquariums/Aquaria
Curriculum (पाठ्यक्रम)	Curriculums/Curricula
Stadium (स्टेडियम)	Stadiums
Harmonium (हारमोनियम)	Harmoniums
Gymnasium (व्यायामशाला)	Gymnasiums
Asylum (आश्रम)	Asylums

Some Important Collective Noun -

बाल का समूह	-	Turp of hair
गुथे बालों का समूह	-	Shock of hair
स्त्रोताओं की मण्डली	-	An assembly of listeners
न्यायाधीशो की मण्डली	-	A bench of Judges
कूड़े-कचरे का ढेर	-	heap of rubbish
मुर्गी के बच्चों का समूह	-	flock of chickens
सोने का ढेर	-	hoard of gold
राज्यों का संगठन	-	league of states
अनाजों का ढेर	-	A sheaf of corn
हथियारों का ढेर	-	Piles of arms
अध्ययन का पाठ्यक्रम	-	A syllabus of studies
सैनिकों का समूह	-	Regiment of soldiers
दीमकों का झुंड	-	A colony of termites

Collection of people -

A brigade of cavalry.	(घुड़सवार सैनिकों का दल)	A contingent of boy scouts.	(स्काऊट के लडकों का दल)
A brigade of infantry.	(पैदल सैनिकों का दल)	A corporation of people.	(लोगों की मंडली)
A brigade of artillery.	(आग्नेयास्त्र चलाने वाले सैनिकों का दल)	A corps of volunteers.	(स्वयंसेवकों का समूह)
A batch of pupils.	(शिष्यों का समूह)	A multitude of people.	(लोगों की भीड)
An assembly of representatives.	(प्रतिनिधियों की मंडली)	A muster of troops.	(सैनिकों का दल)
A caravan of pilgrims.	(तीर्थयात्रियों का काफिला)	A panel of judges.	(न्यायाधीशों का समुदाय)
A caravan of merchants.	(व्यापारियों का कारवाँ)	A panel of jurymen.	(अभिनिर्णायकों का समूह)

A bench of judges.	(न्यायाधीशों की मंडली)	A pack of fools.	(मूर्खों का झुंड)
A circle of friends.	(मित्रों की मंडली)	A pack of knaves.	(धूर्तो/पापियों/दुष्टों का झुंड)
A circle of acquaintances.	(परिचितों की मंडली)	A platoon of musketeers.	(बंदूक लिये हुए फौजियों का दल)
A clique of schemers.	(उपाय रचने वालों की मंडली)	A posse of policemen.	(सिपाहियों का सशक्त दल)
A colony of people.	(लोगों की नई बस्ती)	A procession of people.	(लोगों का जुलूस)
A company of actors.	(अभिनेताओं की मंडली)	A queue of people.	(लोगों की कतार/पंक्ति)
A company	A company	A senate of councilors.	(सभासदों की समिति)
of merchants.	of merchants.	A senate of university members.	(विश्वविद्यालय के सदस्यों की समिति)
(व्यापारियों की मंडली)	(व्यापारियों की मंडली)	A squad of soldiers drilling.	(ड्रील करने वाले सैनिकों का झुंड)
A concourse	A concourse	A staff of officials.	(अधिकारियों का समूह)
of people.	of people.	A staff of servants.	(नौकरों का समूह)
(लोगो का समूह)	(लोगो का समूह)	A stream of visitors.	(अभ्यागतों/भेंट करने वालों का समूह)
A conference of preachers.	A conference of preachers.	A string for coolies.	(कुलियों की पंक्ति)
A congress of delegates.	(प्रतिनिधियों की सभा)	A school of thinkers.	(विचारको का झुंड)
A contingent of army personnels.	(थल सैनिकों का दल)	A school of learned men.	(विद्वानों का समूह)

Collection of animals, birds and insects -

A troop of lions.	(शेरों का झुंड)	A swarm of flies.	(मक्खियों का झुंड)
A troop of monkeys.	(बंदरों का झुंड)	A swarm of bees.	(मधुमक्खियों का झुंड)
A train of donkeys.	(गधों का समूह)	A swarm of locusts.	(टिड्डों का झुंड)
A team of horses.	(घोड़ों का समूह)	A stud of ponies.	(छोटे घोड़ों का झुंड)
A team of oxen.	(बैलों का झुंड)	A stud of horses.	(घोड़ों का झुंड)

Some Important Abstract Noun

Adjective	**Abstract Noun**	**Verb**	**Abstract Noun**
Able	Ability	Belong	Belongings
Brief	Brevity	Allow	Allowance
Careful	Carefulness	Accede	Access
Capable	Capability	Admit	Admission
Efficient	Efficiency	Attend	Attendance
Faithful	Faithfulness	Choose	Choice
Hard	Hardship	Carry	Carriage

Excellent	Excellence	Consume	Consumption
Curious	Curiosity	Deceive	Deceit
Careless	Carelessness	Practice	Practice
Busy	Business	Behave	Behavior
Active	Activity	Arrive	Arrival

Words Denoting Group -

Lions	-	Pride (Female), Coalition (male)
Dogs	-	Kennel, Pack (आवारा, शिकारी कुत्तें)
Trees	-	Woodland, Grove (बडे वृक्षों, छोटे पौधों)
Tigers	-	Ambush, Streak
Ships	-	Fleet, Armada (Normal ships, war ships)
Sheep's	-	Flock, Herd, Mob
Fish	-	School, Shoal (बहुत सारे shoal एक line में आ जाये)
Magicians	-	Wizard, Warlock (+ve effects, -ve effects)
People	-	Crowd, Mob (disarrange group, अव्य भीड)
Puppy	-	Litter of puppies

Noun and Gender -

Gender

Masculine	–	Poet, horse, fox
Feminine	–	Poetess/ Mare/ Vixen
Neuter	–	Chair, Pen
Common	–	Friend/ Student

Masculine	**Feminine**
Tutor (नीति शिक्षक)	Governess (नीति शिक्षिका)
Nephew (भतीजा)	Niece (भतीजी)
Groom (दुल्हा)	Bride (दुल्हन)
Wizard (जादूगर)	Witch (जादुगरनी)
Lover (प्रेमी)	Beloved (प्रेमिका)
Lord (स्वामी)	Lady
Gander (हंस)	Goose (हंसीनी)

- कुछ शब्दों को Feminine मानते है अतः इनके साथ Pronoun Her, Hers, She या herself लगाते है।
  Such as - The moon, The earth, Nature, Spring, Virtue, Charity, mercy, peace, ship, river, nation, fame, city, liberty.
  Eg :- The moon shed its (her) light on the bank.
  Love virtue it (she) is alone free.
- The Sun, time, death, wind, Summer, thunder, Ocean, love, war, wine को masculine माना जाता है । इनके साथ He, his, him, himself का Use करते है।
  Eg :- Death lays her (his) icy hand or king.
- Everything, something, anything, nothing, indefinite pronoun है, ये neuter gender को प्रकट करते है ।
  Eg :- Everything should be kept in his (✗) /its (✓) order.
  This is Mohan's Pen. (यह मोहन का पेन है ।)
  This is the door of the house. (यह घर का दरवाजा है ।)
  This is Girl's college. (यह लडकियों का विद्यालय है ।)
- यदि दो noun and से जुडे हो तो उनके बीच close relation ना हो तो दोनों nouns के (अलग-अलग अधिकार के अर्थ में) साथ Apostrophe's का प्रयोग करते है।
  Eg:- Mohan's and Sohan's house. (मोहन का घर और सोहन का घर ।)

Note : - यदि सम्मिलित अधिकार की बात है तो last noun के साथ Apostrophe's लगाते है ।

Eg:- Mohan and Sohan's house.